वह बाजार प्रदेश का प्रमुख कॉस्मेटिक्स, खिलौने आयटम का बाजार है। छोटी छोटी गलियों में बना बाजार कभी भी आग की चपेट में आ सकता है। यहां भी फायर ब्रिगेड पहुंचने की संभावना नहीं के बराबर है। इस बाजार में भी आग नियंत्रण के उपाय होने जरूरी है।

व्यापारी बैठकर करेंगे निर्णय

आग से बचना गंभीर मुद्दा है। इसको लेकर सभी व्यापारियों की मीटिंग बुलाई जाएगी। आग लगने की स्थिति में व्यापारी भी अपनी व्यवस्था करेंगे साथ ही प्रशासन से भी मांग करेंगे।

- **गोवर्धन दलवानी,** अध्यक्ष, रानीपुरा-नई बागड़ व्यापारी एसोसिएशन

अवैध निर्माण की शिकायत आती जरूर है, लेकिन जिन कॉलोनियों में भवन अनुमति ही नहीं है, न ही नक्शा पास किया गया है तो वहां ये कैसे तय किया जाएगा कि कितना हिस्सा वैध या अवैध है। इसके चलते इन पर कार्रवाई नहीं करते हैं। अवैध कॉलोनियों की बसाहट पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। कई अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई भी की है।

- **विष्णु खरे,** मुख्य नगर निवेशक

अच्छी खबर

एलएंडटी ने दिया प्रस्ताव, आइआइटी इंदौर भी दौड़ में शामिल

डीएवीवी बनेगी प्रदेश की पहली मॉडल एनर्जी यूनिवर्सिटी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. नैक से ए प्लस ग्रेड मिलने के बाद इंदौर की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी देश की प्रमुख यूनिवर्सिटी में गिनी जाने लगी है। एक के बाद एक उपलब्धि हासिल करने वाली डीएवीवी के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है।

डीएवीवी को एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) ने एनर्जी मास्टरप्लान और स्मार्ट ग्रिड के लिए प्रस्ताव भेजे हैं जिनके जरिए यह प्रदेश की पहली मॉडल एनर्जी यूनिवर्सिटी बन सकेगी। डीएवीवी के साथ ही आइआइटी इंदौर में भी इस तरह का प्रस्ताव भेजा गया है। मंगलवार को एलएंडटी के प्रतिनिधी व यूनिवर्सिटी के अधिकारी इन प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। डीएवीवी की कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के डीन प्रो. राजीव दीक्षित ने बताया, डीएवीवी को ए ग्रेड मिलने से पहले ही यहां ग्रीन यूनिवर्सिटी पॉलिसी लागू की गई है। एलएंडटी ने अभी जो प्रस्ताव दिए हैं ऐसे प्रस्तावों पर अमरीका सहित कई बड़े देशों की बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटी में काम चल रहा है। एनर्जी मास्टर प्लान के तहत विभागों में फ्लेक्सिबल, किफायती, टिकाऊ और हरित ऊर्जा परिसर का निर्माण करना है, जबकि दूसरा प्रस्ताव विद्युत शक्ति और बिजली इलेक्ट्रॉनिक्स शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और सेवाओं के अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना है। यह एनर्जी डीएवीवी के रोल मॉडल को विकसित करने के लिए बिजली की लागत को कम करने, ऊर्जा में सुधार और स्थिरता में भी सहायक होगा। डीएवीवी इसके अनुरूप नीति के साथ हरित परिसर की दिशा में काम कर रहा है।

एक मॉडल यूनिवर्सिटी के तौर पर डीएवीवी बेहतरी की दिशा में हर पहल और कदम उठाने की योजना बना रही है। इस दिशा में मॉडल एनर्जी यूनिवर्सिटी बनना एक महत्वपूर्ण पहलू होगा।

- **प्रो. रेणु जैन, कुलपति**